

## Report

### **National Exhibition-cum-Technical Event under Mission **सह**-SANKALP**

Dr Ambedkar International Centre (DAIC), New Delhi, in collaboration with the Office of the Principal Scientific Adviser (PSA) to the Government of India, organised a National Exhibition-cum-Technical Event under Mission **सह**-SANKALP (Science and Advanced Networks for Knowledge-driven Action for Livelihood Promotion) at Bhim Hall, DAIC, on 18 March 2026 from 9:00 AM to 6:00 PM.

The event was inaugurated by Prof. Ajay Kumar Sood, Principal Scientific Adviser to the Government of India, and brought together senior officials from key Central Ministries and organisations, including the Department of Biotechnology (DBT), Department of Science and Technology (DST), Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME), Ministry of Rural Development (MoRD), Council of Scientific and Industrial Research (CSIR), Indian Council of Agricultural Research (ICAR), and Ministry of Panchayati Raj (MoPR). The gathering also included representatives from academic institutions, financial and development organisations, industry stakeholders, and grassroots practitioners to deliberate on leveraging science, technology, and innovation for strengthening sustainable livelihood systems in India.

In his keynote address, Prof. Sood underscored the need to bridge the gap between technological innovation and grassroots application. Highlighting India's robust science and innovation ecosystem, he emphasised that the key challenge lies in ensuring that innovations are accessible, adoptable, and impactful at the community level. He also highlighted initiatives such as the Rural Technology Action Group (RuTAG), RuTAG Smart Village Centres (RSVC), and the Manthan platform, which foster demand-driven innovation and collaborative problem-solving.

The programme witnessed the unveiling of the Mission **सह**-SANKALP logo and the release of the Resource Book on Science and Technology Interventions for Sustainable Livelihood Systems. The Resource Book serves as a national repository of over 350 ready-to-deploy technologies developed across ministries and scientific institutions. Designed as a practical implementation tool, it enables State governments, implementing agencies, and development partners to identify, adopt, and scale context-relevant solutions across livelihood programmes. This was followed by the inauguration of the technology exhibition by Prof. Sood.

In a significant step towards enhancing accessibility and outreach, an online repository titled "Technology for Livelihoods: Bridging Innovation and Impact" has also been activated. The platform provides open access to curated technology solutions and enables users to explore digital pathways for adoption. The repository can be accessed at: <https://psa.gov.in/livelihood-analytics>.

The event also featured a special session with Secretaries from key participating ministries and departments, who shared perspectives on integrating Science and Technology (S&T) into India's livelihood architecture. Discussions emphasised the importance of convergence across flagship programmes, institutional mechanisms for scaling innovations, and cross-sectoral collaboration.

The programme included three panel discussions involving a diverse group of stakeholders, highlighting grassroots innovations, existing gaps, and opportunities for collaboration to enhance livelihood outcomes through S&T interventions. The panel discussions explored critical dimensions of livelihood transformation. The first panel focused on designing science and technology interventions that strengthen resilience, sustainability, and inclusion. The second panel examined pathways for scaling innovations from pilot projects to nationwide programmes, emphasising institutional frameworks, financing models, and implementation systems. The third panel highlighted the importance of partnerships, innovation platforms, and community participation in ensuring the long-term sustainability of livelihood systems.

The event also featured an exhibition of more than 105 technologies aimed at strengthening livelihoods. The exhibition showcased a wide range of innovations across farm and non-farm sectors, enabling direct engagement between innovators, implementing agencies, and development partners while facilitating knowledge exchange and potential collaborations.

In her concluding remarks, Dr. (Mrs.) Parvinder Maini, Scientific Secretary at the Office of the PSA, noted that the discussions throughout the day reinforced the importance of convergence, locally relevant and affordable technologies, institutional partnerships, and community-centric approaches. She highlighted that Mission **सह-SANKALP** seeks to build a collaborative ecosystem that connects science with society, enabling technology-driven, inclusive, and sustainable livelihood transformation at scale. She also called for sustained collaboration among stakeholders to translate scientific innovations into practical and scalable solutions that can improve livelihood outcomes across the country.

Mission **सह-SANKALP** is a flagship initiative of the Office of the Principal Scientific Adviser, recommended by the Prime Minister's Science, Technology and Innovation Advisory Council (PM-STIAC). The mission adopts a convergence-driven and demand-oriented approach to develop scalable, locally relevant solutions for sustainable livelihoods. It focuses on bridging the gap between innovation and adoption by enabling structured technology deployment, strengthening institutional coordination, and connecting innovators with end users.

The event was well received by the participants and garnered significant media coverage, reflecting strong interest and engagement across stakeholders.

**Photographs:-**







## Media Coverage:-

# विज्ञान और तकनीक से सशक्त होंगे आजीविका के नए आयाम

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (PSA) के कार्यालय द्वारा मिशन सह-SANKALP के तहत डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में राष्ट्रीय प्रदर्शनी-सह-तकनीकी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन PSA प्रो. अजय कुमार सूद ने किया। इस आयोजन में जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, MSME, ग्रामीण विकास मंत्रालय, CSIR, ICAR सहित विभिन्न मंत्रालयों, शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग जगत और जमीनी स्तर के विशेषज्ञों ने भाग लिया। मुख्य वक्तव्य में प्रो. सूद ने विज्ञान एवं तकनीकी नवाचार को जमीनी स्तर तक पहुँचाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि वास्तविक

चुनौती इन नवाचारों को समुदाय के लिए सुलभ और उपयोगी बनाना है। कार्यक्रम के दौरान मिशन सह-SANKALP का लोगो और सतत आजीविका के लिए 350 से अधिक तकनीकों से युक्त 'रिसोर्स बुक' का



विमोचन किया गया। साथ ही 100 से अधिक तकनीकों की प्रदर्शनी लगाई गई, जिससे नवाचारों और उपयोगकर्ताओं के बीच संवाद को बढ़ावा मिला। वैज्ञानिक सचिव डॉ. परविंदर मैनी ने कहा कि यह मिशन विज्ञान को समाज से जोड़ते हुए समावेशी और टिकाऊ आजीविका को बढ़ावा देगा।

धूलस बल क क्षम न भ्रमण व सादरम व्यागत वाहन विधिग के दौरान औद्योगिक के पास मौजूद थे बजटरी मरुतिर से सुरुन मिया कि दो व्यतिदुर्घटनी दुर्घा मंदिर के आगे रेलवे पुलिन के पास करी का डीलन केदने की विचारक में मौजूद है। सुनग के आसर पर पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर घेतानी कर आरोपी को मिरगसार कर लिया गया। अभियुक्तों की निगानदही पर बहुत की झाड़ियों के पास गिराकर रखे गए 6 प्लास्टिक जारिकेन में कुल 240 लीटर गरी का डीलन, एक अटद लोहे की सरिया तथा लगभग 2 मीटर प्लास्टिक पाइप बरामद किया गया। आरोपी ने बताया कि उन्होंने दिनांक 16/17 मार्च 2026 को रात्रि में बिछड़ी घर्मकाटा के पास खड़ी हाईवा वाहनों की टिकियों को तोड़कर डीलन चोरी किया था।

### नीलामी सूचना

म्योरुपर व्हाक के राम पंचायत कानन में अनुपयोगी/खराब पानी के टैंकर की नीलामी 21 मार्च 2026 को की जाएगी। इच्छुक व्यक्ति निर्धारित तिथि पर पंचायत कार्यालय में उपस्थित होकर बोली लगा सकते हैं। विस्तृत जानकारी और नीलामी की शर्तों के लिए ग्राम पंचायत कार्यालय कानन से संपर्क करें।

**बसु, रमारा/अनुपयोगी घानी का टैंकर नीलामी तिथि: 21 मार्च 2026**  
**स्थान: ग्राम पंचायत कार्यालय कानन**  
**टिप्पणी: बोले पर उपस्थित होकर बोली लगायें।**

गर्भाधान सेवा क सुकरंभ किच है। इसके तहत स्वामीय श्रेय के पर्युक्तको को वनके पर पर ही कृत्रिम गर्भाधान की सुविधा उपलब्ध कराई

पर्युक्तको को इस पहल के तहत 'सर्टिड सेमेंट' तकनीक के उपयोग से मातु बहिष्ण के तन्म की 90% संभानन सुनिश्चित होंगे, जिससे पर्युक्तको को

गर्भाधान सेवा विंगरीली तिले की चार ग्राम पंचायती चुरकी, छतरी, चकरौर एवं बहिलाके के अंतगत अने वाले 10 गांवों में संचालित की जा रही है। इस

पद्धतीकी को बड़ाक, बाड़ी विकास, जल संसाधन विकास, पर्युक्तको एवं संसाधन सुदुर्भीकरण से जुड़ी गतिविधिये संचालित की जाएगी।

और पत्रकारी ने उर्न बांधई एवं सुकरभमगाएँ दीं। विदाई समारोह में सुकत चौकी की पुरे टीम भी मौजूद रही और सभी ने उनके साथ वितर

उर्न पून-मालाओं से सम्मानित कर भावभीनी विदाई दी और उनके नए कार्यकाल के लिए सरलता की कामना की।

## सतत आजीविका, विज्ञान और प्रौद्योगिकी कार्यक्रम सम्पन्न

### लोकल न्यूज डॉट इंडिया

नई दिल्ली : सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार, के कार्यालय ने मिशन सह-संकल्प (आजीविका संरक्षण के लिए ज्ञान-आधारित कार्यक्रम हेतु विज्ञान और उन्नत नेटवर्क) के अंतर्गत नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में राष्ट्रीय प्रदर्शनी-सह-तकनीकी कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन पेरसए प्रोफेसर अजय कुमार सूद ने किया और इसमें जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, सूक्ष्म मध्यम और लघु उद्यम मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, पंचायती राज मंत्रालय सहित केंद्रीय मंत्रालयों के विशेष अधिकारियों और वैज्ञानिक संस्थानों, विदेशी और विकास संगठनों,



उद्योग हितधारकों और जमीनी स्तर के कार्यक्रमों को देश में स्वस्थी आजीविका प्रणालियों को मजबूत करने के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार का लाभ उठाने पर विचार-विमर्श करने के लिए आयोजित किया गया। अने मुक्य भाषण में, प्रोफेसर सूद

ने तकनीकी नवाचार और जमीनी स्तर पर इसके अनुसंधान के बीच के अंतर को खत्म करने की आवश्यकता पर बल दिया। देश के मजबूत विज्ञान और नवाचार इको-सिस्टम को उभारने पर बल देते हुए, उन्होंने इस बात पर बल दिया कि

मुख्य चुनौती नवाचार को सामुदायिक स्तर पर सुलभ, अपनाने योग्य और प्रभावशाली सुनिश्चित करने में है। उन्होंने योग-आधारित नवाचार और सहयोगात्मक समस्या-समाधान को बढ़ावा देने में ग्रामीण प्रौद्योगिकी कर्षण समूह, आर्युटन स्मार्ट ग्राम केंद्र और

मंथन मंच जैसे पहलों की भूमिका का भी उल्लेख किया। इस कार्यक्रम में मिशन सह-संकल्प का लोगो जारी किया गया और सतत आजीविका प्रणालियों के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी हस्तक्षेपों पर संसाधन पुस्तिका का विमोचन किया गया। यह

संसाधन पुस्तिका विभिन्न मंत्रालयों और वैज्ञानिक संस्थानों द्वारा विकसित 350 से अधिक तैयार तकनीकों का राष्ट्रीय भंडार है।

इसे कार्यान्वयन के लिए एक व्यावहारिक उपकरण के रूप में तैयार किया गया है। यह राज्य सरकारों, कार्यान्वयन एजेंसियों और विकास भागीदारों को आजीविका कार्यक्रमों में प्रारंभिक समर्थनों की पहचान करने, उन्हें अपनाने और उनका विस्तार करने में सक्षम बनाता है। इसके बाद पौरसा, प्रोफेसर सूद द्वारा प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया गया।

विभिन्न हितधारक समूहों की भागीदारी वाली तीन पैनल चर्चाओं ने जमीनी स्तर पर किच जा रही कार्यों, मौजूदा कमियों और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से लोगों की आजीविका में सुधार के लिए सहयोग को आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

## Science and Technology to Strengthen New Dimensions of Livelihoods

**BINOD TAKIAWALA**

**New Delhi, March 18:**

The Office of the Principal Scientific Adviser (PSA) to the Government of India organised a National Exhibition-cum-Technical Meet under Mission Sah-SANKALP at Dr. Ambedkar International Centre, New Delhi. The event was inaugurated by PSA Prof. Ajay Kumar Sood. The programme witnessed participation from key ministries and institutions including the Department of Biotechnology, Department of Science and Technology, Ministry of MSME, Ministry of Rural Development, CSIR, ICAR, along with representatives from academia, industry, and grassroots organisations.

In his keynote address, Prof. Sood emphasised the need to bridge the gap between scientific innovation



and its grassroots application, stating that the real challenge lies in making these innovations accessible and impactful for communities.

On the occasion, the Mission Sah-SANKALP logo was unveiled and a Resource

Book featuring over 350 technologies for sustainable livelihoods was released. An exhibition showcasing more than 100 technologies was also organised, fostering interaction between innovators and users.

In her concluding remarks, Scientific Secretary Dr. Parvinder Maini highlighted that the mission aims to connect science with society and promote inclusive and sustainable livelihood development.